भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2087
उत्तर दिनांक 07/08/2025 को दिया गया

देश में यूरेनियम ऑक्साइड संसाधन

2087. श्रीमती संगीता यादव
श्री केसरीदेवसिंह झाला
श्री बृज लाल
श्री सुभाष बराला

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) के प्रयासों से देश में यूरेनियम ऑक्साइड संसाधन में कितनी वृद्धि हुई है;

(ख) देश में कुल कितना यूरेनियम ऑक्साइड भंडार (टन में) उपलब्ध है;

(ग) क्या जादुगोड़ा खान में नए भंडारों की खोज से खान का जीवनकाल बढ़ेगा; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की संघटक इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) को यूरेनियम, थोरियम, नियोबियम, टैंटलम, बेरिलियम, लिथियम, ज़िरकोनियम, टाइटेनियम और यूरेनियम व थोरियम युक्त विरल मृदा खनिजों के खनिज स्रोतों की पहचान और मूल्यांकन का दायित्व सौंपा गया है। एएमडी ने देश के कई संभावित भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में यूरेनियम ऑक्साइड संसाधन को बढ़ाने हेतु अन्वेषण और संभाव्यता अध्ययन किए हैं। अब तक, एएमडी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, मेघालय, राजस्थान, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित 47 यूरेनियम निक्षेपों में 4,33,800 टन स्वस्थाने यूरेनियम ऑक्साइड (U_3O_8) स्रोत की स्थापना की है।

(ग) व (घ) हां। जादूगोड़ा यूरेनियम निक्षेप का खनन वर्ष 1967 में मेसर्स यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) द्वारा शुरू किया गया। हाल के वर्षों में, एएमडी ने झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के जादूगोड़ा उत्तरी-बगलेसाई-मेंचुआ निक्षेप में 26,437 टन स्वस्थाने यूरेनियम ऑक्साइड स्रोत निर्धारित किया है; जो जादूगोड़ा मुख्य अयस्क निकाय के उत्तर में और जादूगोड़ा और भाटिन खान के बीच क्षेत्र में स्थित है। नए निक्षेपों की इस खोज से खान की आयु में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

*****